मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांक: 14 दिसम्बर 2018

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	15/12/18	16/12/18	17/12/18	18/12/18	19/12/18
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	24	24	24	24	24
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	8	8	8	7	8
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	0	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	60	62	63	64	65
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	20	24	21	23	25
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	11	14	10	10	4
हवा की दिशा	पूर्व–उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	दक्षिण–पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह:

फसल	अवस्था	सलाह
सरसों	पुष्पन	सरसों की फसल मे फूल आते समय 40–45 दिन की फसल पर सिंचाई करें तथा 40 किलो ग्राम गंधक चूर्ण प्रति हैक्टेयर की दर से दें।
गेहूं		गेहूं की फसल में चौडी पत्ति वाले खरपतवारों के नियंत्रण हेतु 30–35 दिन की फसल पर 2,4–डी एस्टर साल्ट एक लीटर प्रति हैक्टेयर की दर सें छिडकाव करें। छिडकाव करते समय ध्यान रहे कि फसल पर कही भी दोहरा छिडकाव न करें।
जीरा	वानस्पतिक	जीरे की फसल में उखटा रोग का प्रकोप पौधों की छोटी अवस्था में अधिक होता है। नियंत्रण के लिए बुवाई के 30 दिन बाद फसल पर 2 ग्राम मैन्कोजेब प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
टमाटर	वानस्पतिक	टमाटर की फसल को उकठा रोग के प्रकोप से बचाने के लिए 7.5 ग्राम थायोफनेट मिथाइल + 7.5 ग्राम रीडोमिल प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें।
पशु		इस समय पैदा होने वाले नवजात पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए विशेष ध्यान दें तथा उन्हें रात के समय बन्द कमरे मे रखें।

(नौडल ऑफीसर)